

Csu/Lib/Book/Dis./2023  
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली  
Central Sanskrit University, New Delhi

दिनांक- 07.072023

पुस्तक परिचर्चा

दिनांक 7 जुलाई 2023 सायं 4 बजे से संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान की 'Sanskrit for Specific Purpose Series' की कुल 30 पुस्तकों के 42 खण्डों पर प्रोफेसर.बनमाली विश्वाल जी के अध्यक्षता में जुलाई माह की पुस्तक परिचर्चा मुख्यालय के पुस्तकालय में संपन्न हुई।

परिचर्चा का आरंभ सरस्वती वंदना से हुआ जो कि सभी शोध छात्र-छात्राओं द्वारा की गई। संयोजिका डा. स्नेहलता उपाध्याय ने सभी सदस्यों का स्वागत किया, तत्पश्चात् शोधछात्र श्री अशोक ने सभा का संचालन किया। सभा की प्रथम वक्ता जया टंडन ने महाभारतस्य भाषा पुस्तक पर आद्योपांत चर्चा करते हुए पुस्तक का विस्तृत विश्लेषण किया, एवं पुस्तक की उपयोगिता के बारे में सुंदर ढंग से एक कथा के माध्यम से अपनी बात को स्पष्ट किया। एवं महाभारत की वर्तमान जीवन में उपयोगिता को वर्णित किया।

तदुपरांत सुश्री राधा शर्मा शोधछात्रा ने आर्युवेदीया आहार पद्धति पुस्तक पर चर्चा की एवं उस पुस्तक में वर्णित मद्यपान करने के नियमों पर भी मनोविनोदी स्वाभाव में समीक्षा की।

शोधछात्रा सुश्री डोना मंडल ने 'योगसूत्राणि' इस पुस्तक प्रकाश डालते हुए बताया कि आयुर्वेद का जीवन में बहुत महत्त्व है और इसमें वर्णित औषधियां जैसे कि त्रिफला इत्यादि का सेवन अत्यंत लाभकारी है। सुश्री डोना ने मन की चितवृत्तियों पर निरोध की सार्थकता को भी इंगित किया।

सभा की अगली चर्चा रामायणस्य भाषा पुस्तक पर श्रीमती आकांक्षा श्री ने प्रस्तुत की, एवं वर्तमान समय में प्राकशास्त्री से लेकर विद्यावारिधि तक के छात्र-छात्राओं के लिए भी पुस्तकों को उपयोगी बताया।

शोधछात्रा श्रीमती अमिता ने आयुर्वेदस्य भाषा संस्कृतं पठ्यताम् पर अपने विचार व्यक्त किए। श्री मुकुल ने धर्मशास्त्रस्य भाषा संस्कृतं पठ्यताम् पर अपना मन्तव्य प्रकट किया।

शोधछात्र प्रेम नारायण ने गीतायाः भाषा संस्कृतं पठ्यताम् इस पुस्तक पर चर्चा किया। श्री अंकित ने प्रधानमंत्री मोदी जी के मन की बात संस्कृत रूपांतर मनोगतम् पुस्तक पर अपना मन्तव्य प्रकट किया। नवागत शोधछात्रा साक्षी जैन ने ज्योतिषस्य भाषा संस्कृतं पठ्यताम् पर पूर्णतया संस्कृत में अपना विचार रखते हुए पुस्तक को उपयोगी बताया।

डा. गणेश टी.पंडित 'सहायकाचार्य जी ने शिक्षक संदर्शिका पुस्तक पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वह भी इस पुस्तक के संपादन मंडल में सदस्य रहे हैं व इस पुस्तक के निर्माण में आधुनिक जगत् के श्रेष्ठ शिक्षाविदों ने सहयोग किया है। उन्होंने बताया कि पुस्तक को प्रभावकारी बनाने के लिए विषयों का सचित्र निरूपण किया गया है। इस प्रकार यह पुस्तक शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

प्रो. बनमाली बिश्वाल जी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्कृत प्रमोशन फाउण्डेशन की (Sanskrit for Specific Purpose Series-3) सभी पुस्तकों पर चर्चा करते हुए उनको छात्र-छात्राओं के लिए अतीव उपयोगी बताया। पुस्तक परिचर्चा के आयोजन को ध्यान में रखते हुए अन्य परिसरों के पुस्तकालयों में इस गतिविधि को सम्यक रूप से नहीं चलाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा मुख्यालय में पुस्तक परिचर्चा कराने का जो संकल्प एक वर्ष पूर्व लिया गया 'वह आज भी जीवन्त है। इस तथ्य पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त किया।

इस पुस्तक परिचर्चा में सहायकाचार्य डा. गणेश टी पंडित, डा. चक्रधर मेहेर एवं डा. अमृता कौर जी के साथ ही मुख्यालय परिसर के लगभग सभी शोध-छात्र छात्राओं ने उत्साह से प्रतिभागिता की। सभा का संचालन शोधछात्र श्री अशोक ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजिका स्नेहलता उपाध्याय ने किया। पुस्तक परिचर्चा आयोजन के एक वर्ष पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागी सदस्यों में मिष्ठान्न वितरण भी किया गया। सभा का समापन शांति मंत्र से हुआ।

## **Book Discussion**

On July 7, 2023, from 4 pm onwards, the book discussion for the month of July, under the chairmanship of Prof. Banmali Biswal, on a total of 30 books of 'Sanskrit for Specific Purpose Series' of Sanskrit Promotion Foundation, was held in the head quarter's library.

The discussion started with Saraswati Vandana which was performed by all the research students. Convener Dr. Snehlata Upadhyay welcomed all the members, after that research scholar Mr. Ashok conducted the meeting. The first speaker of the meeting, Jaya Tandon discussed the Mahabharata language book from end to end, made a detailed analysis of the book, and beautifully clarified her point through a story about the usefulness of the book. And described the utility of Mahabharata in present life.

Thereafter, research student Ms. Radha Sharma discussed the book Ayurvediya Diet Method and also reviewed in a humorous manner on the rules of drinking alcohol described in that book. Research student Ms. Dona Mandal, highlighting the book 'Yogasutranī', told that Ayurveda has a lot to do in life. There is importance and the consumption of the medicines mentioned in it such as Triphala etc. Which are very beneficial. Ms. Donna also pointed out the importance of restraining the thoughts of the mind. The next discussion of the meeting was presented by Mrs. AkankshaShri on the Ramayanasya language book, and in the




present times, from Prakashastris to Vidyavaridhi, students the books were also useful. Research student Smt. Amita expressed her views on Ayurvedasya Bhasha Sanskritam Pathyatam.

Shri Mukul expressed his opinion on Dharmashastrasya Bhasha Sanskritam Pathyatam. Research student Prem Narayan discussed the book Gitaya Bhasha Sanskritam Pathyatam. Mr. Ankit expressed his views on the book Manogatam, the Sanskrit version of Prime Minister Modi's Mann Ki Baat. New research student Sakshi Jain, keeping her views on Jyotishasya Bhasha Sanskritam Pathyatam expressed completely in Sanskrit, described the book as useful.


Throwing light on the book Shikshak Sandarshika, Dr. Ganesh T. Pandit 'Sahayakacharya' said that he has also been a member of the editing board of this book and the best educationists of the modern world have cooperated in the making of this book. He told that pictorial representation of subjects has been done to make the book more effective. Thus this book is very useful for teachers.

Prof. Banmali Biswal in his presidential address discussed all the books of Sanskrit Promotion Foundation (Sanskrit for Specific Purpose Series-3) and called them very useful for the students. Keeping in view of the organization of book discussion, he expressed dissatisfaction over this activity not being carried out properly in the libraries of other campuses. He said that the resolution taken a year ago to hold book discussion at the headquarters is still continuing. He expressed happiness over this fact.

Dr. Ganesh T Pandit, Dr. Chakradhar Meher and Dr. Amrita Kaur as well as almost all the research students of the headquarters campus participated enthusiastically in this book discussion. Research student Mr. Ashok conducted the meeting and vote of thanks was done by coordinator Snehlata Upadhyay. On completion of one year of book discussion event, sweets were also distributed among all the participating members. The meeting ended with Shanti Mantra.

  
अधिष्ठाता शैक्षिक वृत्त 07/07/2023

Dean (Academic Affairs & Students Welfare)

  
7.7.23  
सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष  
Assistant Librarian